हिन्दी

Set-2 : 2016
801 CB

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [*पूर्णांक : 70*

निर्देश : प्रारम्भ के **15** मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए :
(i) रामचन्द्र शुक्ल महान् कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1
(ii) 'संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक रामधारीसिंह 'दिनकर' हैं।
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र रीतिकाल के रचनाकार हैं।
(iv) 'स्कन्दगुप्त' धर्मवीर भारती की रचना है।
(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1
(i) चिन्तामणि
(ii) अजातशत्रु
(iii) खून के छींटे
(iv) पैरों में पंख बाँधकर।
(ग) किसी एक संस्मरण लेखक का नाम लिखिए। 1
(घ) 'कलम का सिपाही' के लेखक का नाम लिखिए। 1
(ङ) गद्य-साहित्य का विविध रूपों में विकास किस काल में हुआ? 1

2. (क) आधुनिक काल की किन्हीं **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 1
(ख) प्रगतिवादी काव्य की किन्हीं **दो** विशेषताओं को लिखिए। 2
(ग) 'छायावाद' के किसी **एक** प्रमुख कवि का नाम लिखिए। 2 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

(क) विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों से हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे तब हमें उत्साहित करेंगे। सारांश यह है कि वे हमें उत्तमतापूर्वक जीवन निर्वाह करने में हर तरह से सहायता देंगे। सच्ची मित्रता में उत्तम से उत्तम वैद्य की-सी निपुणता और परख होती है, अच्छी से अच्छी माता का-सा धैर्य और कोमलता होती है।
(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(iii) लेखक ने सच्ची मित्रता की तुलना किससे की है?

(ख) मनुष्य जाति के इतिहास में कोई ऐसा काल नहीं हुआ, जब सुधारों की आवश्यकता न हुई हो। तभी तो आज तक कितने ही सुधारक हो गये हैं। पर सुधारों का अन्त कब हुआ? भारत के इतिहास में बुद्धदेव, महावीर स्वामी, नागार्जुन, शंकराचार्य, कबीर, नानक, राजा राममोहन राय, स्वामी दयानन्द और महात्मा गाँधी में ही सुधारकों की गणना समाप्त नहीं होती। सुधारकों का दल नगर-नगर और गाँव-गाँव में होता है। यह सच है कि जीवन में नए-नए क्षेत्र उत्पन्न होते जाते हैं और नए-नए सुधार हो जाते हैं। न दोषों का अन्त है और न सुधारों का। जो कभी सुधार थे, वही आज दोष हो गए हैं और उन सुधारों का फिर नवसुधार किया जाता है। तभी तो यह जीवन प्रगतिशील माना जाता है।
(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(iii) जीवन प्रगतिशील क्यों माना गया है?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1 = 6

(क) बसै बुराई जासु तन, ताही को सनमानु।
भलौ-भलौ कहि छोड़िये, खोटैं ग्रह जपु दानु।।
नर की अरु नल-नीर की, गति एकै करि जोइ।
जेतौ नीचौ ह्वै चले, तेतौ ऊँचौ होइ।।

(ख) पुरतें निकसी रघुबीर-बधू, धरि धीर दए मग में
डग द्वै।
झलकी भरि भाल कनी जल की, पुर सूखि गए
मधुराधर वै।।
फिरि बूझति हैं-"चलनो अब केतिक, पर्नकुटी
करिहौ कित ह्वै।"
तिय की लखि आतुरता पिय की, अँखियाँ अति
चारु चली जल च्वै।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी कोई एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) डॉ0 रामधारीसिंह 'दिनकर'
(iii) डॉ0 भगवतशरण उपाध्याय।
(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3
(i) तुलसीदास (ii) सुमित्रानन्दन पन्त (iii) बिहारीलाल।

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4
वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गंगायाः कूले स्थिता। अस्य घट्टानां वलयाकृतिः पंक्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र, अस्याः घट्टनाम् च शोभा विलोक्य इमां बहु प्रशसन्ति।

अथवा

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं,
भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पंकजालिः।
इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे,
हा हन्त! हन्त! नलिनीं गज उज्जहार।।

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ कोई श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2
(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2
(i) नीर-क्षीर-विषये हंसस्य का विशेषता अस्ति?
(ii) पर्यटकः स्वप्ने कुत्र उपागच्छत्?
(iii) सुवर्णस्य मुख्यं दुःखं किम् अस्ति?
(iv) अलक्षेन्द्र कः आसीत्?

8. (क) हास्य रस **अथवा** करुण रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ख) उत्प्रेक्षा **अथवा** रूपक अलंकार की परिभाषा लिखिए तथा उसका एक उदाहरण भी दीजिए। 2

http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ग) रोला **अथवा** सोरठा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1+1+1=3

(i) अन् (ii) अप्
(iii) सह (iv) अभि
(v) सु (vi) अधि।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1+1=2

(i) आई (ii) त्व
(iii) ता (iv) हट
(v) पन।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) राधाकृष्ण (ii) श्वेतवस्त्र
(iii) वीणापाणि (iv) चौराहा।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2

(i) अच्छर (ii) अन्धा
(iii) होठ (iv) कोहार।

(ङ) निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

(i) अग्नि (ii) कपड़ा
(iii) कृष्ण (iv) खग
(v) नदी।

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 2

(i) प्रति + एक (ii) सु + आगतम्
(iii) गंगा + उदकम् (iv) तथा + एव
(v) पितृ + आज्ञा।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप चतुर्थी विभक्ति, एकवचन में लिखिए : 1+1=2

(i) फल **अथवा** पयस् (ii) तद् (स्त्रीलिंग) **अथवा** युष्मद्।

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

(i) भवामः (ii) अहसः
(iii) पक्ष्यामः।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं। (ii) वह विद्यालय जाती है।
(iii) सदा सत्य बोलना चाहिए। (iv) आकाश में बादल गरजते हैं।
(v) वह पैर से लंगड़ा है।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) किसी मैच का आँखों देखा वर्णन (ii) सफलता का रहस्य
(iii) बेरोजगारी की समस्या (iv) सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा
(v) वृक्ष : मानव के सच्चे हितैषी।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए: 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण लिखिए।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर कलिंग युद्ध का वर्णन कीजिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(घ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के छठवें सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के उस पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए जिसने आपको प्रभावित किया हो।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्रांकन कीजिए।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के पंचम् सर्ग का सारांश लिखिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध का वर्णन कीजिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए।

http://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.upboardonline.com